कृपया प्रकाशनार्थ - **9 जून 2009**

'व्यवस्थापन गुरु' श्री.लालू प्रसाद ने जाते-जाते अपनी रेल यात्रा का 'पुख्ता' इंतजाम किया : राम नाईक

मुंबई, मंगलवार : रेल मंत्री पद छोडने का समय आतेही पूर्व रेल मंत्री व 'व्यवस्थापन गुरु' श्री.लालू प्रसाद ने अपने परिवारजनों की जिंदगी भर की रेल यात्रा का पुख्ता इंतजाम किया है, ऐसी सनसनी जानकारी पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री.राम नाईक ने दी है.

जैसे ही 16 मई को लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित हुए, यह स्पष्ट हुआ कि श्री.लालू प्रसाद रेल मंत्री नहीं रहेंगे. 22 मई को नये मंत्रीमंडल ने शपथ ग्रहण की. उसके केवल तीन दिन पहले याने 19 मई को 'व्यवस्थापन गुरु' श्री.लालू प्रसाद ने नया आदेश निकाल कर अपने परिवारजनों की रेल यात्रा का नया प्रबंध किया. इस नये आदेश के अनुसार सभी पूर्व रेल मंत्री जीवनभर प्रथम वर्ग के वातानुकुलीत डिब्बे से तीन व्यक्तिओं के साथ यात्रा कर सकेंगे. इतनाही नही तो उनका सेवक भी उस समय व्दितीय श्रेणी के वातानुकुलीत डिब्बे से यात्रा कर सकेगा. "इतनी ज्यादा सहुलियत की जरुरत क्या है !" ऐसा सवाल श्री.राम नाईक ने उठाया है. इतनाही नही तो मंत्री पद का त्याग करते समय ऐसा निर्णय लेना अनुचित और अनैतिक भी है ऐसा श्री.नाईक ने कहा.

चुनाव काल में किए गए निर्णयों पर नए मंत्री या नई सरकार ने पुनर्विचार करने की परंपरा रही है. इसी के नुसार रेल मंत्री सुश्री ममता बॅनर्जी ने श्री.लालू प्रसाद का यह निर्णय रद्द करना चाहिए, ऐसी माँग भी श्री.राम नाईक ने की है.

(कार्यालय मंत्री)